हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: 1 | अंक: 23 | पृष्ठ: 8 | शुक्रवार 15 अक्टूबर से 21 अक्टूबर 2021

दिल्ली में कोरोना केस कम होने का हवाला देकर सीएम केजरीवाल ने LG से मांगी छठ पूजा की इजाजत

दिल्ली: देश की राजधानी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उप राज्यपाल अनिल बैजल को चिट्ठी लिख छठ पूजा समारोह की अनुमति देने का आग्रह किया है. केजरीवाल ने कहा कि मैंने माननीय एलजी से दिल्ली में छठ पूजा समारोह की अनुमति देने का आग्रह किया है. कोरोना अब नियंत्रण में है और कई अन्य राज्यों ने इसकी अनुमति दी है. वहीं, एक अन्य मामले में दिल्ली पॉल्यूशन कंट्रोल कमेटी(DPCC) ने आदेश जारी कर कहा है कि दिल्ली में किसी भी सार्वजनिक जगह पर दुर्गा मूर्ति विसर्जन की अनुमति नहीं होगी. लोगों को घरों में ही बाल्टी या कंटेनर में विसर्जन करना होगा. दुर्गा पूजा उत्सव से पहले दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (DPCC) ने बुधवार को किसी भी जलाशय में मूर्ति विसर्जन पर रोक लगा दी और लोगों से कहा कि वे अपने घरों में ही बाल्टी या कंटेनर में मूर्ति विसर्जन करें. समिति ने कहा कि इसके चलते नदियों और झीलों में होने वाला प्रदूषण चिंता का विषय है.दिल्ली पॉल्यूशन कंट्रोल कमेटी ने ये आदेश जारी किया है. आम लोगों और पूजा समिति से कहा गया है कि पूजा सामग्री जैसे फूल, सजावट का सामान आदि मूर्ति विसर्जन से पहले हटा लें. घर-घर जाकर जो लोग वेस्ट कलेक्ट कर रहे हैं उनको दें ताकि पर्यावरण सुरक्षित रहे. इसकी अवेहलना करने पर 50 हजार जुमार्ना देना होगा.

बता दें कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालयकी तरफ से 21 मई को जारी नई कोविड गाइडलाइन के अनुसार, केंद्र ने कोरोना को लेकर सतर्कता बरतने की सलाह दी और कुछ नए नियम जारी किए थे. स्वास्थ्य सचिव ने कहा था कि कंटेनमेंट जोन के रूप में चिह्नित किए जाने वाले क्षेत्र और ऐसे क्षेत्र जहां कोरोना संक्रमण दर 5 प्रतिशत से अधिक है वहां सामूहिक समारोह से बचना होगा. जिन क्षेत्रों में संक्रमण दर 5 प्रतिशत से कम होगी वहां कार्यक्रम के आयोजन से पहले अग्रिम अनुमति लेना जरूरी होगा. केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि अगले दो महीने साप्ताहिक मामले की सकारात्मकता दर के आधार पर क्षेत्रों में छूट और प्रतिबंध लगाए जाएंगे.

वक्फ बोर्ड की जमीन बेच रहे हैं नवाब मलिक - हाजी अराफात शेख

मुंबई। हाजी अरफत ने कहा की नवाब मलिक को शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान के ड्रग्स केस की चिंता है, लेकिन उनी के चुनवी एरिया में किस तरह से ड्रग्स बेची और खरीदी जाति है और कई मुसलमान बच्चे लत के शिकार बने हुए हैं. हाजी अरफत शेख ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो पर नवाब मलिक द्वारा लगाए गए आरोपो के बाद, हाजी अरफत शेख का कहना हैं की कहीं न कहीं नवाब मलिक अपने दमाद का बदला लेने की कोशिश कर रहे हैं.

ICON OPTICAL GALLERY

- Buy 2 Prs of prescription Antireflection glasses of Rs 1600/- and get 2 frames free.....
- Buy 2 Prs of Blue Cut Antireflection prescription glasses of Rs 1899/- and get 2 frames free.....
- Buy 1 Frame or Sunglass & get 1 Frame or Sunglass free Rs 1000/- onwards.....
- Branded Frames, Sunglasses & Glasses available with discount.
- We make any Single Vision, Bifocal and Progressive prescription Glasses in 1 or 2 hrs.

9819292152
murtaza12152@yahoo.com
Shop No. 52, R.N.A. Arcade, Lokhandwala Complex, Andheri (West), Mumbai - 400 053

Begin your Journey to a Better Life
With Peace, Love, & Happiness

YOGA classes available
Session 5 days a week
Offline & Online
FREE TRIAL CLASS
C- 505, Badri bldg, Mathuradas road, Kandivali (W), Mumbai- 400067.
YOGA BY ZAINAB
70213 01200

शरद पवार बोले, केंद्र हमारे नेताओं के संबंधियों को बना रहा है निशाना

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार ने कहा है कि केंद्र सरकार महाविकास अघाड़ी के नेताओं के संबंधियों को निशाना बनाकर हमें तोड़ना चाहती है, लेकिन हम दृढ़ हैं। इन बातों पर हम पर कोई असर नहीं होगा। शरद पवार बुधवार को मुंबई में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पिछले दो साल से राज्य की महाविकास अघाड़ी सरकार को अस्थिर करना चाह रही है। इसमें असफल होने के बाद अब वह महाविकास अघाड़ी के नेताओं के संबंधियों व उनसे जुड़े लोगों को निशाना बना रही है। प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआइ, आयकर विभाग व एनआइए जैसी केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। कुछ ही दिन पहले आयकर विभाग ने राज्य के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की तीन बहनों के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर छापा मारा था। माना जा रहा है कि शरद पवार की टिप्पणी उन छापों को लेकर ही सामने आई है। पवार ने विशेषकर एनसीबी को पर साधते हुए कहा कि मुंबई में मादक पदार्थों की धरपकड़ के लिए दो एजेंसियां काम करती हैं। एक मुंबई पुलिस का एंटी नार्कोटिक्स सेल व दूसरा एनसीबी। इन दोनों में एंटी नार्कोटिक्स सेल का प्रदर्शन हमेशा एनसीबी से बेहतर रहा है। समझा जाता है कि एनसीबी पर पवार की यह टिप्पणी हाल ही में एनसीबी द्वारा की गई कार्रवाइयों के कारण की गई है, जिसमें अभिनेता शाहरुख खान के पुत्र आर्यन खान भी गिरफ्तार हैं। पवार की ही पार्टी के

प्रवक्ता नवाब मलिक एनसीबी की कार्रवाई पर पहले ही कई तरह के सवाल उठा चुके हैं। शरद पवार ने एक दिन पहले की गई पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की भी एक टिप्पणी की खिल्ली उड़ाई। फडणवीस ने कहा था कि उन्हें राज्य के लोगों से जिस तरह का प्यार मिलता है, उससे उन्हें लगता है कि वह आज भी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ही हैं। शरद पवार ने फडणवीस की इस बात का मजाक उड़ाते हुए कहा कि सिर्फ एक बार मुख्यमंत्री रहने के बाद भी यदि फडणवीस को ऐसा लगता है, तो मैं उन्हें बधाई देता हूं। मैं तो चार बार इस राज्य का मुख्यमंत्री रहा हूं। इसके बावजूद मुझे तो याद भी नहीं है कि मैं चार बार मुख्यमंत्री रहा हूं। पवार की इस टिप्पणी के कुछ ही देर बाद इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि 40 वर्ष में मैं पहला व्यक्ति हूं, जिसने मुख्यमंत्री के रूप में अपना कार्यकाल पूरा किया है। शरद पवार वरिष्ठ नेता हैं। उन्होंने राज्य के लिए बहुत कुछ किया है, लेकिन चार बार मुख्यमंत्री रहने के बावजूद वह कभी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाए।भारतीय सीमा में चीन के बढ़ते दखल पर बोलते हुए शरद पवार ने कहा कि नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका सहित कश्मीर में भी चीन का दखल बढ़ रहा है। ऐसा लग रहा है कि हम चारों ओर से चीन से घिरते जा रहे हैं। शरद पवार ने फिर लखीमपुर खीरी की घटना पर केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार को घेरते हुए कहा कि लखीमपुर खीरी जैसी घटना पहले कभी नहीं हुई। प्रदर्शनकारी किसानों का कहना है कि वहां केंद्रीय मंत्री का बेटा भी मौजूद था। सर्वोच्च न्यायालय के दखल पर ही मंत्री के बेटे आशीष मिश्र की गिरफ्तारी हो सकी है। पवार ने इस घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी घेरते हुए कहा कि वह अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकते।

कोरोना संक्रमण का कितना असर? दीवाली के बाद सीरो सर्वे से पता लगाएगी BMC

मुंबईः देश भर में करोना संक्रमण (Covid-19) की रफ्तार में भले ही कमी आई हो, लेकिन खतरा अभी टली नहीं है. एक्सपर्ट्स बार-बार तीसरी लहर की चेतावनी दे रहे हैं. खास कर त्योहारी सीजन में सतर्क रहने की जरूरत है. इस बीच बीएमसी ने कहा है कि दीवाली के बाद वो एक और सीरो सर्वे कराएगी. इसका मकसद ये जानना है कि कोरोना संक्रमण का असर कितान हुआ है. जुलाई 2020 के बाद ये यहां छठा सीरो सर्वे होगा. इससे पहले इस साल अगस्त के महीने में यहां सीरो सर्वे हुआ था. सर्वे में पता चला था कि 86% लोगों में कोराना के खिलाफ एंटीबॉडीज बन गई है. बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी ने अंग्रेजी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, हम और अधिक सर्वेक्षण करने की योजना बना रहे हैं. दिवाली के ठीक बाद एक और सर्वे करना अच्छा रहेगा. फिलहाल तारीख पर अंतिम निर्णय लिया जाना बाकी है. कोरोना कैसे फैला? कोरोना कैसे फैला? जानने को WHO ने बनाई स्पेशल-26टीम, कहा- ये आखिरी मौका अगस्त 2021 में मुंबई में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) द्वारा किए गए पांचवें सीरो सर्वे से पता चला था कि सर्वे में शामिल 8,674 लोगों में से 86.64 प्रतिशत में कोविड -19 के खिलाफ एंटीबॉडी हैं.

NCB की जांच पर सवाल उठाने पर नवाब मलिक को मिल रही धमकी, बढ़ाई गई सुरक्षा

मुंबईः महाराष्ट्र सरकार के मंत्री नवाब मलिक की सुरक्षा बढ़ा दी गई है. उनकी सुरक्षा को अब श्रेणी से बढ़ाकर प्लस श्रेणी में कर दिया गया है. जब से नवाब मलिक ने NCB की क्रूज शिप ड्रग्स पार्टी की जांच में अनियमितताओं को उजागर करना शुरू किया है तब से उन्हें फोन पर लगातार धमकी मिल रही है. बता दें कि इस मामले में शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को भी गिरफ्तार किया गया है. बता दें कि मुंबई की एक विशेष अदालत ने ड्रग्स मामले में गिरफ्तार नवाब मलिक के दामाद समीर खान को गुरुवार को जमानत दे दी है.अधिकारियों ने बताया कि मलिक को अब एक पायलट कार, यात्रा के दौरान चार सशस्त्र पुलिसकर्मी और उनके घर पर चार पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है. क्रूज शिप में ड्रग्स पार्टी मामले की जांच को लेकर मलिक लगातार

एनसीबी और भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ आक्रामक रहे हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने क्रूज छापे के दौरान मुंबई भाजपा नेता के एक रिश्तेदार को छोड़ दिया.

उन्होंने कहा कि क्रूज पर हिरासत में लिए गए व्यक्तियों में से एक ऋषभ सचदेव थे, लेकिन उन्हें नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा तुरंत रिहा कर दिया गया. ऋषभ सचदेव, प्रतीक गाबा और आमिर फर्नीचरवाला को छोड़ दिया गया. ऋषभ भाजपा नेता मोहित कंभोज के बहनोई हैं. उन्होंने क्रूज जहाज की छापेमारी को नकली बताया है. नवाब मलिक ने इससे पहले एनसीबी टीम के साथ दो व्यक्तियों की उपस्थिति पर भी सवाल उठाए थे.मलिक ने कहा, भाजपा का कहना है कि मैं एनसीबी पर हमले कर रहा हूं क्योंकि मेरे दामाद को एजेंसी ने गिरफ्तार किया था. मैंने कभी अपने दामाद का समर्थन नहीं किया और वह अपना मुकदमा लड़ेंगे. मैं वह जानकारी एनसीबी को कैसे दे सकता हूं, जो इस मामले में मेरे पास है, जिसने एक झूठा मामला तैयार किया है. अगर जांच करने के लिए एक स्वतंत्र आयोग का गठन किया जाता है, तो मैं ऐसा करूंगा. मलिक के इस बयान के बाद अब भाजपा नेता मोहित भारतीय ने राकांपा नेता पर मादक पदार्थ के तस्करों का समर्थन करने और अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि अगर एनसीबी को ऋषभ सचदेवा और उसके दोस्तों के खिलाफ कोई आपत्तिजनक सबूत मिलता तो एजेंसी उन पर कानून के दायरे में कार्रवाई करती. उन्होंने कहा, एनसीबी की ईमानदारी पर शक नहीं किया जा सकता और उस पर किसी भी राजनीतिक प्रभाव का असर नहीं डाला जा सकता, शायद इसलिए नवाब मलिक एनसीबी और उसके मेहनती अधिकारियों पर निशाना साध रहे हैं.

महाराष्ट्र में 22 अक्टूबर से खुल जाएंगे सिनेमाघरों, मल्टीप्लेक्स, थिएटर और सभागार; सरकार ने जारी की SOP

मुंबई। कोरोना संक्रमण नियंत्रण में देखते हुए पूरी महाराष्ट्र में सिनेमाघरों, मल्टीप्लेक्स, थिएटर और सभागारों को 22 अक्टूबर से खोला जा रहा है। इसके लिए राज्य सरकार ने मंगलवार को नई गाइडलाइन जारी की है। सरकार का निर्देश है कि इस दौरान यहां मौजूद कर्मचारी और आने वाले दर्शक कोविड गाइडलाइन का पूरी तरह से पालन करें। वैक्सीन करवा चुके दर्शकों और कर्मचारियों को ही यहां आने की अनुमति होगी। गौरतलब है कि बीते कई माह से कोरोना महामारी के चलते सिनेमाहाल सिनेमाघरों, मल्टीप्लेक्स, थिएटर और सभागारों समेत कई सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिबंध लगाये गए थे।सिनेमाघरों और सभागारों के लिए दिशानिदेर्शों में 50 प्रतिशत बैठने की क्षमता का भत्ता भी शामिल है। -मल्टीप्लेक्स के लिए, भीड़ से बचने के लिए शो टाइमिंग को कम किया जाएगा। बॉक्स ऑफिस विंडो खोलने के अलावा डिजिटल टिकट बुकिंग को प्रोत्साहित करना होगा। टीकाकरण के दावों के आसान सत्यापन के लिए, कर्मचारियों और संरक्षकों के फोन में आरोग्य सेतु ऐप इंस्टॉल होना चाहिए। टीकाकरण के बाद 14 दिनों की अवधि पूरी होने के बाद ही यहां प्रवेश करने और काम करने की अनुमति दी जाएगी।- अभिनेताओं, विशेष रूप से बाल कलाकारों और मंच के पीछे के कर्मचारियों की नियमित चिकित्सा जांच शो की संपत्ति, ग्रीन रूम और ऑडिटोरियम का सैनिटाइजेशन ।

पुष्पक एक्सप्रेस में युवती से हुए गैंगरेप के सभी 8 आरोपी गिरफ्तार

मुंबईः महाराष्ट्र में इगतपुरी और कसारा रेलवे स्टेशनों के बीच लखनऊ-मुंबई पुष्पक एक्सप्रेस ट्रेन में 20 वर्षीय एक युवती के साथ किए गए दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने सभी आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी.यह घटना शुक्रवार रात हुई. आरोपी मुंबई आ रही ट्रेन में इगतपुरी स्टेशन से चढ़े. यह कथित अपराध तब हुआ जब ट्रेन घाट खंड से गुजर रही थी. पुलिस ने तब इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया था. एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, इस मामले में अब सभी आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है.आरोपियों की पहचान प्रकाश उर्फ पाक्या दामू पारधी (20), अरशद शेख (19), अर्जुन उर्फ पाव्या सुभाष सिंह परदेशी (20), किशोर नंदू सोनवाने उर्फ कालिया (25), काशीनाथ रामचंद्र तेलम काश्या (23), आकाश शेनोर उर्फ आक्या (20), धनंजय भगत उर्फ गुड्डू (19) और राहुल आडोले उर्फ राहुल्या (22) के रूप में हुई है.सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) के एक अधिकारी के अनुसार, ट्रेन में चढ़ने से पहले आरोपियों ने गांजा का सेवन किया था. उन्होंने बताया कि आरोपियों की ट्रेन में लूटपाट की योजना नहीं थी.

कुर्ला के नेहरू नगर में आवासीय सोसायटी में भीषण आग, 20 मोटरसाइकिल जलकर खाक

मुंबईः मुंबई के कुर्ला में नेहरू नगर इलाके में स्थित एक आवासीय सोसायटी में आज (बुधवार) सुबह भीषणआग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थी कि वहां खड़ी 20 मोटर साइकिल जलकर खाक हो गई। दमकल विभाग को सूचना मिलते ही दमकल के कई वाहन वहां पहुंच गए और आग पर काबू पा लिया गया। इस घटना में अभी तक किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं मिली है। आग लगने के कारणों के बारे में भी पता नहीं चल पाया है। इस मामले में अभी अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। गौरतलब है कि कुछ माह पहले मुंबई के पवई इलाके के हीरानंदानी गार्डन में सुबह के समय एक सात मंजिला व्यावसायिक इमारत में आग लग गई थी।

हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं थी। ये आग सुबह 6 बजकर 15 मिनट के आसपास पांचवी मंजिल पर लगी थी। इसके बाद ये फैलते-फैलते बिजली के तारों, प्रतिष्ठानों और केबलों और कार्यालय की छत तक फैलती चली गई।

NCB डायरेक्टर समीर वानखेड़े के आरोपों पर गृहमंत्री दिलीप वलसे का बयान

किसी की जासूसी नहीं कर रही मुंबई पुलिस

मुंबई। नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), मुंबई के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े ने महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर शिकायत की है कि मुंबई पुलिस के कुछ लोग सादे कपड़ों में उनकी जासूसी कर रहे हैं। लेकिन राज्य के गृहमंत्री दिलीप वलसे पाटिल ने यह कहकर समीर के आरोपों का खंडन किया है कि मुंबई पुलिस किसी की जासूसी नहीं कर रही है। समीर वानखेड़े ने सोमवार को महाराष्ट्र पुलिस से की गई अपनी शिकायत में कहा है कि पिछले 36 से 48 घंटों में उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। समीर के अनुसार उनके पास सीसीटीवी फुटेज के रूप में इसके सबूत भी हैं। उनके अनुसार सादे कपड़ों में दो लोग लगातार उनका पीछा कर रहे हैं। यहां तक कि जब वह ओशिवरा कब्रिस्तान में अपनी मां की कब्र पर जाते हैं, तो भी उनका पीछा किया जाता है। 11 अक्तूबर को ओशिवरा कब्रिस्तान के उस समय के सीसीटीवी फुटेज भी किसी ने निकलवाए हैं, जब समीर वानखेड़े वहां गए और वहां से वापस बाहर निकले हैं। समीर वानखेड़े द्वारा लगाए गए आरोपों के बारे में आज जब महाराष्ट्र के गृहमंत्री दिलीप वलसे पाटिल से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि ऐसा कोई आदेश नहीं दिया गया है। मुझे नहीं लगता कि कोई भी एजेंसी उनपर नजर रख रही है। लेकिन समीर वानखेड़े ने इस घटना के बाद अपने लिए सुरक्षा की मांग भी की है।बता दें कि समीर वानखेड़े के नेतृत्व में ही एनसीबी ने दो अक्तूबर को मुंबई से गोवा जा रहे कार्डेलिया क्रूज पर छापा मारकर ड्रग मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें अभिनेता शाहरुख खान का बेटा आर्यन खान भी शामिल है। आर्यन आज भी न्यायिक हिरासत में जेल में है। आर्यन की गिरफ्तारी के चार दिन बाद ही महाराष्ट्र सरकार के मंत्री एवं राकांपा प्रवक्ता नवाब मलिक ने एनसीबी पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। उनके अनुसार दो अक्तूबर को एनसीबी की टीम में दो बाहरी लोग भी शामिल थे।इसके अलावा एनसीबी ने आठ नहीं बल्कि 11 लोगों को हिरासत में लिया था।

संपादकीय

संपादकः मुर्तुजा मामाजीवाला

कश्मीर में सिखों और हिंदुओं पर फिर पलायन का खतरा

कश्मीर में बचे खुचे अल्पसंख्यकों को चुन चुनकर निशाना बनाए जाने की हाल की घटनाओं के बाद आतंकियों, उनके समर्थकों और अन्य संदिग्ध तत्वों की धरपकड़ आवश्यक ही है, लेकिन इसके साथ यह भी सुनिश्चित करने की जरूरत है कि वैसी घटनाएं फिर न होने पाएं जैसी पिछले कुछ दिनों श्रीनगर में हुई हैं। यह इसलिए सुनिश्चित किया जाना चाहिए, क्योंकि कश्मीर में रह रहे सिखों और हिंदुओं के नए सिरे से पलायन का खतरा पैदा हो गया है। इस खतरे का सामना हर हाल में किया जाना चाहिए यह शुभ संकेत नहीं कि अन्य राज्यों के कामगार कश्मीर छोड़ने को मजबूर दिख रहे हैं। इन कामगारों के साथ वहां रह रहे हिंदुओं और सिखों को केवल पर्याप्त सुरक्षा देने की ही जरूरत नहीं, बल्कि एक ऐसा माहौल बनाने की भी आवश्यकता है जिसमें वे स्वयं को सुरक्षित महसूस करें। ऐसा माहौल बनाने में सफलता तभी मिलेगी जब आतंकियों को कुचलने के अभियान को आगे बढ़ाने के साथ आम कश्मीरी समाज और विशेष रूप से वहां का मुस्लिम समाज अपनी सक्रियता दिखाएगा। उसे यह सक्रियता इसलिए दिखानी होगी, क्योंकि हिंदुओं और सिखों की हत्या से कश्मीरियत कलंकित हो रही है। ऐसे सवाल उठ रहे हैं कि क्या कश्मीरियत में हिंदुओं और सिखों के लिए कोई स्थान नहीं। कश्मीरी समाज इस सवाल से मुंह नहीं मोड़ सकता। यदि कश्मीर से किसी भी हिंदू–सिख का पलायन होता है तो इससे यही साबित होगा कि कश्मीरियत एक छलावा ही है। श्रीनगर के एक सरकारी स्कूल के सिख और हिंदू शिक्षक की हत्या के बाद जिस तरह बड़ी संख्या में आतंकियों के मददगार, प्रतिबंधित संगठनों के सदस्य और पत्थरबाज गिरफ्तार किए गए हैं उससे यही पता चलता है कि घाटी में आतंकवाद और अलगाववाद को खाद पानी देने वाले अभी भी सक्रिय हैं। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि ऐसे तत्वों को शह देने का काम कई नेता भी कर रहे हैं। इन पर भी लगाम कसनी होगी। इसके अलावा पाकिस्तान से होने वाली आतंकियों की घुसपैठ को भी रोकना होगा वास्तव में यह सब करने से ही आतंक की विषबेल को जड़ से उखाड़ फेंकने में सफलता मिलेगी। कश्मीर के अल्पसंख्यकों को शेष देश से भी यह संदेश जाना आवश्यक है कि पूरा भारत उनके साथ है। यह संदेश सही तरीके से उन तक पहुंचे, इसके लिए यह जरूरी है कि सभी राजनीतिक दल आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का वास्तव में प्रदर्शन करें।

निजी एयरलाइंस के जमाने में भी सांसद VIP ही रहेंगे!

भारत एक जनतांत्रिक गणराज्य है. जनतंत्र में देश के सभी नागरिकों का दर्जा बराबर का होता है, चाहे वह राष्ट्रपति हो, प्रधानमंत्री, नौकरशाह, व्यापारी, किसान या एक सामान्य नागरिक. हां, यह जरूर है कि संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों को कानून और प्रोटोकॉल के अनुसार विशिष्ट सुविधाएं मिलती हैं. समस्या यह है कि संवैधानिक पद या मान्यता वाला हर व्यक्ति चाहता है कि उसे भी वह सभी सम्मान और सुविधाएं मिलें जो सबसे ऊंचे पदों पर बैठे लोगों को मिलती हैं.एक बात और, चुनाव में जीतकर आए जनप्रतिनिधि कहते तो अपने को जनसेवक हैं, लेकिन ज्यादातर उनकी उम्मीद होती है कि उन्हें जनसेवक नहीं बल्कि अतिविशिष्ट माना जाए. ये उम्मीद तब और हिलोरें लेती है जब ऐसे लोग यात्रा पर निकलते हैं. चाहे राष्ट्रीय राजमार्ग पर, भारतीय रेल से या हवाई यात्रा पर. इन सभी परिस्थितियों में इन्हें श्क्ष ट्रीटमेंट की उम्मीद रहती है और अगर ऐसा न हो तो कई जनसेवक कुछ भी कर गुजरने पर आमादा हो जाते हैं, हिंसा और खराब बर्ताव इनमें शामिल हैं.जब भारत की राष्ट्रीय विमानसेवा अक्क्ष क्ठउक्क्अ सरकारी हाथों में थी तब तक सभी माननीय सांसदों को अति विशिष्ट व्यक्ति का दर्जा मिला हुआ था और एयरपोर्ट पहुंचते ही इन्हें हाथों हाथ लिया जाता था. इसके बाद सभी औपचारिकताओं को पूरा करने से लेकर गंतव्य तक पहुंच कर हवाईअड्डे से बाहर निकलने तक एक या ज्यादा सरकारी अफसर इनके इर्द गिर्द घूमते रहते थे कि मेहमानवाजी में कहीं कोई कसर न रह जाए. आप सोच रहे कि अब तो एयर इंडिया का निजीकरण हो गया है तो ये सब तामझाम खत्म को जाएगा. आप गलत समझ रहे हैं. विमानसेवा सरकारी हो या प्राइवेट, माननीय सांसदों के साथ अति विशिष्ट व्यक्तियों वाला व्यवहार चालू रहेगा. सिविल एविएशन मिनिस्ट्री

ने 21 सितंबर को एक चिठ्ठी लिखकर सभी एयरलाइंस से कहा है कि माननीय सांसदों की सुविधा के लिए समय-समय पर हवाईअड्डों पर उन्हें दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में निर्देश दिए गए हैं, लेकिन कई बार इन निदेर्शों की अनदेखी की शिकायतें मिली हैं. सभी को फिर सूचित किया जाता है कि जारी किए निदेर्शों का अक्षरशः पालन किया जाए. भले ही ये निर्देश सरकारी विमानसेवा एयर इंडिया के नाम से जारी होते थे, लेकिन अब तो ऐसा है नहीं, तो पहले भी सभी एयरलाइंस को सांसदों पर खास ध्यान देना पड़ता था और ये सिलसिला अभी भी जारी रहेगा माननीय सांसदों की टिकट की बुकिंग का कंफर्मेशन तुरंत होना चाहिए, अगर फ्लाइट पूरी बुक है तो किसी की टिकट कैंसल होने पर पहली प्रायोरिटी सांसद को मिलनी चाहिए, चेक इन की सारी प्रक्रिया में सांसद की सुविधा के लिए अधिकारी मौजूद होना चाहिए, सीटें भी सांसद की पसंद के मुताबिक आगे की रो में होनी चाहिए, एयरपोर्ट ड्यूटी अफसर और अगवानी करने वाला स्टाफ, सभी को मौजूद रहकर पक्का करना चाहिए कि सांसद को कोई तकलीफ न हो. और मंजिल पर पहुंचने पर उस एयरपोर्ट के डायरेक्टर के पास पहले से उनके आने की सूचना होनी चाहिए ताकि सांसद को कोई असुविधा न हो इतना ही नहीं, सभी एयरपोर्ट ऑपरेटर्स, विशेष कर एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा चलाए जाने वाले हवाईअड्डों पर अधिकारियों को सख्त आदेश हो कि सांसदों को रिजर्व लॉउन्ज में तुरत ठंडा और गरम जो भी माननीय चाहें बिन खर्च उन्हें पेश किया जाए. संसद भवन की पार्किंग के पास के आधार पर सांसदों की गाड़ी को श्क्ष पार्किंग में जगह दी जाए.सुरक्षा जांच के विषय में ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी को भी स्पष्ट निर्देश हैं कि उक्त्रऋ सुरक्षा जांच अधिकारी सांसदों के साथ आदर से पेश आएं. उनके टिकट, बोर्डिंग कार्ड या पहचान पत्र की जांच कर सम्मान से उनको जाने दें.

वास्तव में होता यह है कि सांसदों में जो जाने पहचाने चेहरे होते हैं उन्हें तो किसी तरह की परेशानी शायद ही कभी होती हो क्योंकि उन्हें देखकर ही सारा प्रोटोकॉल सिलसिलेवार लागू हो जाता है. परेशानी तब होती है जब कोई ऐसा सांसद आ जाता है जिसका चेहरा सभी को मालूम न हो. ऐसे सांसद कई बार अपने साथ होने वाले बर्ताव से नाराज हो जाते हैं. कई बार यह नाराजगी शालीनता की सीमा लांघ जाती है. 23 मार्च 2017 को शिवसेना के सांसद रविंद्र गायकवाड़ ने हवाई जहाज में एयर इंडिया के केबिन क्रू के एक सीनियर अफसर पर हाथ उठाया और चप्पल से पीटा. सांसद की शिकायत थी कि यह अफसर उनसे बदतमीजी कर रहा था, जबकि एयर इंडिया के क्रू मेंबर ने कहा कि जहाज में मनचाही सीट न मिलने पर सांसद महोदय नाराज हो गए थे. बात इतनी बढ़ गई कि भारत की सभी एयरलाइंस ने उन्हें नो फ्लाई लिस्ट में डाल दिया. 15 जून 2017 को इंडिगो एयरलाइंस ने तेलुगु देसम पार्टी के सांसद दिवाकर रेड्डी के उड़ने पर अस्थाई रोक लगा दी क्योंकि वह चेक इन टाइम के बाद एयरपोर्ट पहुंचे थे और जब उन्हें रोका गया तो उन्होंने एयरपोर्ट स्टाफ के साथ बदतमीजी की.17 जून 2015 को बिहार के सांसद, पप्पू यादव ने जेट एयरवेज की एक एयर होस्टेस से तब दुर्व्यवहार किया जब एयर होस्टेस ने उन्हें आइल यानी दो सीटों के बीच वाली जगह में बचा खाना रखने से रोका. जहाज उतरने के बाद जब पप्पू यादव से इस घटना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने ऐसी किसी बात की जानकारी से इंकार कर दिया.यह सच है कि भारत में सांसदों को वायु यात्रा के लिए विशेष अधिकार मिले हुए हैं और अधिकतर सांसद अपने अच्छे बर्ताव के लिए जाने जाते हैं, लेकिन अगर किन्ही कारणों से उनमें से कुछ को उम्मीद के मुताबिक सर्विस नहीं मिल पाती तो उनको क्रू मेंबर्स या यात्रियों से दुर्व्यवहार करने का अधिकार नहीं मिला है.

लखीमपुर खीरी हिंसा की जांच कर रही SIT की आशीष और अंकित को आज घटनास्थल पर ले जाने की योजना

लखीमपुर: खीरी हिंसा की जांच कर रही एसआइटी ने केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के पुत्र आशीष मिश्रा को तीन दिन की रिमांड पर लिया है। उसकी रिमांड का आज अंतिम दिन है। एसआइटी को बुधवार को अंकित दास की तीन दिन की रिमांड मिली है। एसआइटी आज दोनों घटनास्थल पर ले जाकर सीन रीक्रिएशन कर सकती है। इससे पहले बुधवार को दोनों से काफी देर तक पूछताछ करने के साथ ही एसआइटी ने उनका आमना-सामना भी करवाया। आज इन दोनों को दिन में घटनास्थल पर ले जाकर रीक्रिएशन कराया जाएगा। अंकित दास, उसके गनर तथा ड्राइवर की रिमांड मिलने के बाद एसआइटी की टीम तीनों को जेल से लेकर लखीमपुर खीरी पुलिस लाइंस में क्राइम ब्रांच के दफ्तर पहुंची है। यहीं पर आशीष मिश्रा मोनू दे भी पूछताछ चल रही है।लखीमपुर खीरी हिंसा में आशीष मिश्रा मोनू के साथ ही लवकुश व आशीष पाण्डेय को गिरफ्तार किया गया है। चोटिल लवकुश व आशीष पाण्डेय को पुलिस लाइन के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आशीष पाण्डेय के साथ ही बुधवार को मुख्य आरोपित केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री के बेटे आशीष मिश्र मोनू ने जिला अदालत में जमानत की अर्जी डाली थी। इनकी अर्जी को सीजेएम कोर्ट ने सुनवाई के बाद खारिज कर दिया। अपराध सत्र परीक्षणीय होने के कारण सीजेएम ड्रुषचताराम ने अर्जी खारिज कर दी। लखीमपुर खीरी हिंसा कांड के सह आरोपित अंकित दास, शेखर

भारती, लतीफ उर्फ काले की कोर्ट ने तीन दिनों की पुलिस कस्टडी रिमांड मंजूर कर ली है। तीनों आरोपित 14 अक्टूबर को सुबह दस बजे से 17 अक्टूबर को सुबह दस बजे तक पुलिस कस्टडी में रहेंगे। इस केस के आरोपित शेखर भारती को बुधवार को जेल से तलब कर सीजेएम कोर्ट लाया गया। इसके बाद अभियोजन पक्ष की आरोपित शेखर भारती को पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेने की बाबत दाखिल अर्जी पर दोनों पक्षों की बहस सुनने के दो घंटे बाद फैसला सुनाया। सीजेएम ड्रुषचता राम ने आरोपित शेखर भारती की तीन दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड मंजूर कर दी है। बुधवार को घटना के मुख्य आरोपित आशीष मिश्र के बेहद करीबी लखनऊ के कांट्रेक्टर अंकित दास व उनके निजी सुरक्षा कर्मी लतीफ उर्फ काले सुबह दस बजे के करीब क्राइम ब्रांच के दफ्तर पहुंच गए। एसआइटी ने दोनों आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। चार घंटे की पूछताछ के बाद एसआइटी ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद सीजेएम की अदालत में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। हिरासत में लेने के समय ही अभियोजन पक्ष की ओर से वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी एसपी यादव ने कोर्ट में 14 दिनों की पुलिस कस्टडी रिमांड की अर्जी दाखिल कर दी। सीजेएम ने अंकित दास व लतीफ उर्फ काले की भी तीन दिनों की पुलिस कस्टडी रिमांड मंजूर कर दी। तीन दिनों में एसआइटी तीनों आरोपितों अंकित दास, शेखर भारती व लतीफ उर्फ काले से घटना की बाबत पूछताछ करेगी और घटना से संबंधित साक्ष्य संकलन भी करेगी।

तेज प्रताप ने नवरात्र में दिया तेजस्वी को आशीर्वाद

बोले- मुख्यमंत्री बनकर कीजिए जनता की सेवा

पटना: राष्ट्रीय जनता दल में राजनीतिक विरासत को लेकर लालू प्रसाद यादव के दोनों बेटे तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव के बीच लगातार तल्खी देखी जा रही है। लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने पिछले दिनों अपने बयानों से यह साफ कर दिया है कि, वे पार्टी में दी जा रही अहमियत से संतुष्ट नहीं हैं। इसको लेकर तेज प्रताप यादव ने पिछले दिनों खुले मंच से अपनी नाराजगी भी जाहिर कर चुके हैं। उनके रवैये से पार्टी से लेकर परिवार तक के लोग असहज दिख रहे हैं। लेकिन इन सब के बीच नवरात्र में अब तेज प्रताप ने अपने छोटे भाई तेजस्वी यादव को आशीर्वाद दिया है और कहा है कि वो बिहार के मुख्यमंत्री बन जनता की सेवा करें। दिवंगत पूर्व सांसद मो.शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब बुधवार को बारात लेकर अपनी बेगम अयशा सबीह की विदाई के लिए सिवान के चांदपाली गांव पहुंचे थे। इस कार्यक्रम में तेजप्रताप यादव भी शरीक हुए। पटना से सिवान जाने के क्रम में तेज प्रताप यादव ने संवाददातओं से बातचीत के दौरान तेजस्वी यादव को आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि, तेजस्वी बिहार के मुख्यमंत्री बनकर जनता की सेवा करें। इसके साथ ही कुशेश्वरस्थान उपचुनाव प्रचार करने की खबरों को उन्होंने सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि, ये सब अफवाह है। तेज प्रताप यादव ने अपने पिता लालू प्रसाद यादव को सबसे बेहतर मुख्यमंत्री मानते हैं। बुधवार को राज्यसभा सांसद मीसा भारती ने लालू यादव की नाती के साथ तस्वीर इंटनेट मीडिया पर पोस्ट की थी।

महानिशा पूजा कर सीएम योगी आदत्यिनाथ ने दी सात्विक बलि

गोरखपुर। मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने नवरात्र की अष्टमी तिथि पर गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में पूरे विधि-विधान से परंपरागत महानिशा पूजन किया। मंगल कामना के साथ उन्होंने पूजन के बाद सात्विक बलि और हवन का अनुष्ठान भी पूर्ण किया।शक्तिपीठ में मां भगवती के आठवें स्वरूप महागौरी के पूजन की प्रक्रिया शाम चार बजे से ही शुरू हो गई। मुख्यमंत्री कालीबाड़ी के सुदृढ़ीकरण और सुंदरीकरण परियोजना का लोकार्पण करने के बाद शाम छह बजे से अनुष्ठान में शामिल हुए। महागौरी की पूजा के क्रम में मुख्यमंत्री ने गौरी-गणेश, वरुण, यंत्र, शस्त्र, भगवान राम-लक्ष्मण-सीता, अर्धनारीश्वर, द्वादश ज्योतिर्लिंग और नवग्रह की पूजा की। दुर्गा सप्तशती के पाठ के बाद महानिशा पूजन का अनुष्ठान सम्पन्न किया गया। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने नारियल, गन्ना, केला,

जायफल आदि की सात्विक बलि दी। वेदी पर उगाए गए जौ के पौधों को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच योगी ने काटा। उसके बाद वेदी पर ब्रह्मा, विष्णु, रुद्र और अग्नि देवता का आह्वान कर हवन किया। आरती और क्षमा याचना के बाद प्रसाद वितरण के साथ बुधवार का नवरात्र अनुष्ठान सम्पन्न हुआ। अनुष्ठान मंदिर के प्रधान पुरोहित आचार्य रामानुज त्रिपाठी के अगुआई में डा. अरविंद चतुर्वेदी, डा. रोहित मिश्र, पुरुषोत्तम चौबे, डा. दिग्विजय शुक्ल आदि आचार्यों द्वारा सम्पन्न कराया गया। इससे पहले बुधवार की सुबह भी शक्तिपीठ में मुख्यमंत्री ने परंपरागत रूप से मां महागौरी की आराधना की।

मुख्यमंत्री योगी गुरुवार को तड़के शक्तिपीठ में मां भगवती के नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना करेंगे। उसके बाद उनके आवास में कन्या पूजन की आनुष्ठानिक प्रक्रिया सम्पन्न की जाएगी। इसमें मुख्यमंत्री मां के नौ स्वरूप के प्रतीक रूप में नौ कन्याओं और एक बटुक भैरव का पांव-पखार कर उन्हें चुनरी ओढ़ाएंगे ओर अपने हाथ से भोजन कराएंगे।

कविता

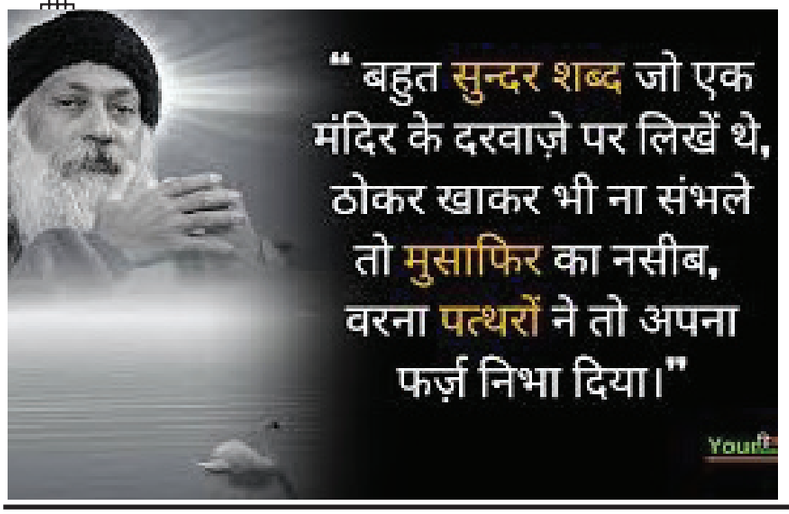

कहै कबीर दीवाना-ओशो

शोरगुल नहीं मचाती, दया की भिक्षा नहीं मांगती। चुपचाप मौन बिदा हो जाती है। इसलिए निन्यानबे प्रतिशत लोगे...। समर्पण सुविधापूर्ण है वस्तुओं का। खुद समर्पण नहीं करना पड़ता, अहंकार बचा रहता है और वस्तुएं अहंकार को बढ़ाती चली जाती है। प्रेम में तो अहंकार खोयेगा। वस्तुओं के प्रेम में बचता है, बढ़ता है। जितनी तुम्हारी संपदा होती है, उतना अहंकार ऊपर उठने लता है। वस्तुओं का प्रेम वस्तुतः प्रेम नहीं है, प्रेम का धोखा है। लेकिन वही पहला प्रेम है; जिसमें निन्यानबे प्रतिशत लोग पड़े हैं। इसलिए बुद्ध तृष्णा के विरोध में हैं। क्योंकि तृष्णा वस्तुओं के प्रेम का नाम है। महावीर परिग्रह के विरोध में हैं, क्योंकि परिग्रह वस्तुओं के प्रेम का नाम है। समस्त ज्ञानी संग्रह के विरोध में हैं। क्योंकि संग्रह का अर्थ है, तुम्हारा प्रेम गलत यात्रा कर रहा है। ऐसा जो व्यक्ति है, जो वस्तुओं के प्रेम में पागल है। तुमने कृपण को देखा? उसके चेहरे को कभी अध्ययन किया? अगर तुम खुद कृपण हो, तो कभी आईने में तुमने अपनी कृपणता की छवि देखी? कृपण आदमी से ज्यादा कुरूप आदमी नहीं होता।

जारी....

हेल्दी स्किन और परफेक्ट बॉडी शेप के लिए 40 के बाद महिलाएं डाइट और लाइफस्टाइल में करें ये 10 बदलाव

महिला हो या पुरुष बढ़ती उम्र अपने साथ नई परेशानियां लाती हैं। ऐसे में जब बात महिलाओं के स्वास्थ्य की होती है 40 के बाद महिलाओं के शरीर में कई सारे बदलाव आते हैं। ऐसा इसलिए क्यों महिलाओं के शरीर के अंग का स्वास्थ्य और कामकाज उनके हार्मोनल हेल्थ से जुड़ा होता है। 40 के बाद हार्मोनल हेल्थ में बदलाव होने लगता है और हार्मोन्स का प्रोडक्शन धीमा पड़ जाता है। इससे जहां उनका पीरियड्स प्रभावित होता है वहीं, ब्रेस्ट कैंसर, हृदय रोग और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी कई बीमारियों का खतरा भी बढ़ता है। ऐसे में 40 के बाद महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का खास ध्यान देना चाहिए और अपनी डाइट और लाइफस्टाइल में कुछ जरूरी बदलाव करना चाहिए। तो, आइए डॉ नूपुर गुप्ता, निदेशक प्रसूति एवं स्त्री रोग, फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम से जानते हैं कि हेल्दी स्किन और परफेक्ट बॉडी शेप के साथ गेल्दी बॉडी पाने के लिए 40 के बाद महिलाएं क्या करें? 40 के बाद महिलाओं के लिए स्वस्थ रखने के महिलाएं घर और ऑफिस के बीच सबसे कम ध्यान अपने खान-पान और सहेत पर देती हैं। जबकि डाइट हेल्थ के लिए हर तरह से जरूरी है।

ऐसे में एक परफेक्ट बॉडी पाने के लिए जरूरी है कि आप रोजाना नाश्ता जरूर करें। नाश्ता करने से मेटाबोलिज्म में सुधार होता है और ये धीमे-धीमे तेज हो जाता है। इस वजह से जो भी आप खाते हैं जल्दी से पचता है और शरीर में फैट जमा नहीं होता। इसलिए स्वस्थ वजन बनाए रखने के लिए स्वस्थ नाश्ते से आपके दिन की शुरूआत होनी चाहिए। साथ ही आपको कोशिश करनी चाहिए कि आप अपने नाश्ते में फाइबर से भरपूर फूड्स, प्रोटीन और तमाम माइक्रोन्यूट्रिएंट्स का बैलेंस रखें। 40 के बाद शरीर को एक्सरसाइज करने की खास जरूरत होती है। व्यायाम न केवल आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करता है बल्कि आपके कैंसर, हृदय रोग, मधुमेह और स्ट्रोक के जोखिम को भी कम करता है। जी हां चाहे आप कोई हल्की एक्सरसाइज करें या फिर योग, कुछ ऐसा जरूर करें जिससे आपके शरीर की कसरत हो, मासपेशियां एक्टिवेट हो जाएं, शरीर एक्टिव रहे और माइंड डिटॉक्स होता रहे। दरअसल, जब आप एक्सरसाइज करते हैं तो आपका ब्लड सकुर्लेशन अच्छा होता है जिससे आपकी स्किन अच्छी होती है।

आर्यन खान ने किसी का नुकसान नहीं किया, नेता और धार्मिक गुरु दुष्कर्म करते हैं फिर भी लोग उन्हें पूजते हैं - उर्फी जावेद

मुंबईः बॉलीवुड अभिनेता शाह रुख खान के बेटे आर्यन खान ड्रग्स केस में नाम आने के बाद से जेल में बंद हैं। बीते दिनों आर्यन के साथ इस केस में उनके दोस्त अरबाज मर्चेंट और मुनमुन धमेचा को भी एनसीबी ने गिरफ्तार किया था। ड्रग्स केस में आर्यन खान के नाम आने के बाद से फिल्मी और टीवी सितारे लगाता अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। अब आर्यन खान पर उर्फी जावेद ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उर्फी जावेद छोटे पर्दे की मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं। वह अपनी बोल्ड तस्वीरों को वजह से अक्सर चर्चा में बनी रही हैं। बीते दिनों उर्फी जावेद को रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी में भी देखा गया था। हाल ही में वह मुंबई में स्पॉट हुईं। इस दौरान उर्फी जावेद ने आर्यन खान के ड्रग्स केस को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। साथ ही कहा कि ड्रग्स केस के अलावा लोग दुष्कर्म और हत्या के मामले में इतना आक्रोश नहीं दिखाते हैं। अंग्रेजी वेबसाइट बॉलीवुड लाइफ की खबर के अनुसार उर्फी जावेद ने आर्यन खान के ड्रग्स केस पर बात करते हुए कहा, उन्हें (आर्यन खान) शायद इस सदमे से बाहर आने में बहुत समय लगेगा। अदालत के फैसले से पहले ही लोग उसे सिर्फ इसलिए कोसने लगे हैं क्योंकि

वह शाह रुख खान के बेटे हैं। हम दुष्कर्म और हत्याओं के लिए ऐसा आक्रोश क्यों नहीं दिखाते हैं। हमें अदालत के फैसले से पहले ही अभिनेताओं को शर्मसार करने की जल्दी रहती हैं। जब दुष्कर्म केस के आरोपी को शर्मसार करने की बात आती है तो हम इतनी जल्दी क्यों नहीं करते हैं?उर्फी जावेद ने आगे कहा, ह्यकई राज नेता, धार्मिक गुरु हैं जो दुष्कर्म के आरोपों का सामना कर रहे हैं। फिर भी लोग उन्हें पूजते हैं। और फिर यह बेचारा बच्चा है जिसने किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया है, लेकिन सार्वजनिक रूप से उसे इतना नुकसान पहुंचाया जा रहा है। इसके अलावा उर्फी जावेद और भी ढेर सारी बातें की हैं। उर्फी जावेद अक्सर अपने बोल्ड लुक और ड्रेस को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहती हैं वह अपने फैंस से जुड़े रहने के लिए अक्सर अपनी खास तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं।

दिल्ली कैपिटल्स ने गंवाए दोनों मौके, टाप 2 में रहने का फायदा नहीं उठा पाई रिषभ पंत की टीम

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग यानी आइपीएल की अंकतालिका में पहले और दूसरे स्थान पर रहने के अपने अलग फायदे हैं, क्योंकि शीर्ष पर रहने वाली दो टीमों को फाइनल में पहुंचने के लिए 2-2 मौके मिलते हैं। हालांकि, दिल्ली कैपिटल्स अपने इन दो मौकों को भुनाने में सफल नहीं हो सकी और आइपीएल 2021 के सीजन से बाहर हो गई। उधर, चौथे पायदान पर रहने वाली कोलकाता नाइट राइडर्स को आइपीएल के 14वें सीजन के फाइनल में पहुंचने का मौका मिला।दरअसल, दिल्ली कैपिटल्स आइपीएल 2021 की अंकतालिका में 20 अंकों के साथ शीर्ष पर थी। ऐसे में माना जा रहा था कि युवा रिषभ पंत की कप्तानी वाली टीम फाइनल में जगह बना लेगी, क्योंकि टीम के पास फाइनल में पहुंचने के दो मौके थे। शीर्ष दो टीमों को दोनों क्वालीफायर मैच खेलने का मौका मिलता है, जिससे की टीम फाइनल में प्रवेश कर जाए, लेकिन क्वालीफायर 1 में दिल्ली कैपिटल्स को चेन्नई सुपर किंग्स के हाथों हार मिली और दूसरे क्वालीफायर में दिल्ली को कोलकाता ने हरा दिया।अंकतालिका में शीर्ष दो टीमों को क्वालीफायर 1 में भिड़ना होता है और जो टीम जीत जाती है उसे फाइनल

का टिकट मिलता है, जबकि हारने वाली टीम को क्वालीफायर 2 मैच खेलने का मौका मिलता है। ऐसा है दिल्ली के साथ भी हुआ, जब क्वालीफायर 1 में हार झेलने के बाद क्वालीफायर 2 में टीम कोलकाता से भिड़ी तो चारों खाने चित हो गई। शारजाह की धीमी पिच पर रिषभ पंत की टीम टिक नहीं पाई और केकेआर के सामने दिल्ली की टीम 135 रन ही बना सकी। साल 2011 के बाद ऐसा कुल तीसरा मौका है, जब टीम शीर्ष दो में रहते हुए फाइनल तक नहीं पहुंच पाई है। हैरान करने वाली बात ये है कि इनमें से दो बार दिल्ली की टीम के साथ ऐसा हुआ है। 2012 में भी दिल्ली की टीम अंकतालिका में टाप 2 में थी, लेकिन फाइनल में प्रवेश नहीं कर पाई थी और अब 2021 में भी टीम के साथ ऐसा हुई है, जबकि साल 2016 में गुजरात लायंस ने टाप 2 में जगह बनाई थी, लेकिन सुरेश रैना की कप्तानी वाली टीम फाइनल में प्रवेश नहीं कर पाई थी।

टेस्ट में बेस्ट और वर्ल्ड कप में परफेक्ट बल्लेबाज रहे हैं - गौतम गंभीर

नई दिल्ली: किसी को जुबानी जंग में मात देनी हो, किसी को बल्ले से जवाब देना हो या फिर मैदान पर आक्रामक नजर आना हो, ये सभी काम गौतम गंभीर के लिए बाएं हाथ का खेल रहा है। जी हां, बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने देश के लिए लंबे समय तक क्रिकेट खेली और अब क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वे नई दिल्ली (पूर्वी दिल्ली सीट) से लोकसभा चुनाव जीतकर संसद भवन तक पहुंच गए हैं। जिस तरह वे क्रिकेट के मैदान पर अपने विरोधियों पर बरसते थे, उसी प्रकार गौतम गंभीर अपने राजनीतिक विरोधियों पर भी प्रहार करते हैं। आज गौतम गंभीर का 40वां जन्मदिन है और इस मौके पर हम आपको बताने जा रहे हैं कि गौतम गंभीर ने अपने क्रिकेटर करियर में क्या कुछ हासिल किया है। भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट में एक ऐसा कमाल भारत के लिए किया है, जो आज तक कोई नहीं कर पाया है। गंभीर ने लगातार पांच टेस्ट मैचों में शतक जड़ा है और वे ऐसा करने वाले एकमात्र भारतीय बल्लेबाज हैं। इतना ही नहीं, लगातार पांच टेस्ट मैचों में पांच शतक जड़ने वाले वे दुनिया के एकमात्र बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। मौजूदा समय में गौतम गंभीर के इस खास रिकार्ड के आसपास कोई भी खिलाड़ी नहीं है, क्योंकि लगातार शतक जड़ना आसान काम नहीं है। गौतम गंभीर से ज्यादा लगातार टेस्ट शतक जड़ने का रिकार्ड आस्ट्रेलिया के पूर्व महान बल्लेबाज सर डॉन ब्रैडमैन के नाम है। डान ब्रैडमैन ने 6 मैचों में 6 शतक जड़े थे, जबकि पाकिस्तानी बल्लेबाज मोहम्मद युसुफ भी पांच टेस्ट मैचों में पांच शतक जड़ चुके हैं14 अक्टूबर 1981 को देश की राजधानी दिल्ली में जन्मे गौतम गंभीर ने एक दशक से ज्यादा समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेली है और अपना एक अलग मुकाम बनाया है गौतम गंभीर के ही दम पर भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2007 और वनडे विश्व कप 2011 का फाइनल मुकाबला जीता था, क्योंकि वे दोनों फाइनल्स में सबसे बड़े रन स्कोरर थे, लेकिन उनको प्लेयर आफ द मैच का खिताब नहीं मिला था। हालांकि, इस बात का अफसोस उनको ज्यादा नहीं है, क्योंकि उनका मानना है कि उनका अल्टीमेट गोल तो देश को वर्ल्ड कप जिताना था और वो उन्होंने देश के लिए भलीभांति कर दिखाया।साउथ अफ्रीका में खेले गए ळ20 वर्ल्ड कप 2007 के फाइनल में भारतीय टीम का सामना चिरप्रतिद्वंदी टीम पाकिस्तान से हुआ.

चहल और अय्यर का सपना टूटा, अक्षर पटेल की जगह टी20 विश्व कप टीम में शार्दुल ठाकुर

नई दिल्ली: आइसीसी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में एक बादलाव किया गया है। स्पिनर आलराउंडर अक्षर पटेल की जगह शार्दुल ठाकुर को मुख्य टीम में शामिल किया गया है। आइसीसी ने टी20 विश्व कप के लिए टीम में बदलाव करने की आखिरी तारिख पहले 10 अक्टूबर रखी थी जिसे बाद में बढ़ाया गया था। शार्दुर ने पिछले दिनों काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। आइपीएल में भी चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलते हुए उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है।भारतीय टीम के चयनकताओं ने बुधवार 13 अक्टूबर के टी20 विश्व कप के लिए चुनी गई टीम में एक बादलाव करने की घोषणा की। स्पिनर अक्षर पटेल को चुनी गई 15 सदस्यीय टीम से बाहर कर शार्दुल ठाकुर को शामिल किया गया है। इससे पहले स्पिनर युजवेंद्र चहल को टी20 विश्व कप के लिए चुनी गई टीम में शामिल किए जाने की वकालत कई पूर्व दिग्गजों ने की थी।हार्दिक पांड्या के चोट की वजह से गेंदबाजी नहीं कर पाने को देखते हुए एक तेज गेंदबाज को टीम में शामिल किए जाने का भी सुझाव लगातार आ रहा था। इस बात की जानकारी बीसीसीआइ ने टीम के फैंस को सोशल मीडिया के जरिए दी।

जबरन वसूली के मामले में पूछताछ के लिए क्राइम ब्रांच के सामने नहीं हाजिर हुए मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह

मुंबई। मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह आज क्राइम ब्रांच के सामने हाजिर नहीं हुए। क्राइम ब्रांच ने जबरन वसूली के एक मामले में परमबीर सिंह को पूछताछ के लिए हाजिर होने के निर्देश दिए थे। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने परमबीर के मुंबई एवं हरियाणा आवास पर जाकर नोटिस भी चस्पा की थी। परमबीर सिंह के विरुद्ध हफ्ता वसूली का एक मामला 23 जुलाई को दर्ज किया गया था। बाद में इस मामल की जांच अपराध शाखा को सौंप दी गई थी।इस मामले में उनके साथ मुंबई पुलिस के बर्खास्त एपीआई

सचिन वाझे सहित कई और पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। परमबीर के विरुद्ध इसके अलावा एक और मामले में प्राथमिकी दर्ज है। उस मामले में भी परमबीर की जांच चल रही है। लेकिन परमबीर सिंह पिछले दो महीनों से मुंबई में नजर नहीं आ रहे हैं। यहां तक कि पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख के विरुद्ध उन्हीं के द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत पर बयान दर्ज करने के लिए भी वह प्रवर्तन निदेशालय के सामने हाजिर नहीं हो सके हैं। कुछ दिनों पहले ही उनके खिलाफ मुंबई पुलिस ने एक लुकआउट नोटिस भी जारी किया है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि परमबीर सिंह शायद विदेश चले गए हैं। इसी वर्ष फरवरी में उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के निकट विस्फोटक लदी स्कार्पियो कार खड़ी किए जाने का प्रकरण सामने आ के बाद ही उन्हें मुंबई पुलिस के आयुक्त पद से हटा दिया गया था।

महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख के घरों पर सीबीआई के छापे, एनसीपी कार्यकर्ताओं ने की नारेबाजी

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख के मुंबई एवं नागपुर स्थित घरों पर आज सीबीआई ने एक बार फिर छापे मारे। देशमुख के ठिकानों पर सीबीआई की यह तीसरी छापेमारी थी। सीबीआई इससे पहले अनिल देशमुख के पैतृक आवास पर भी उन्हें खोजने के लिए पहुंच चुकी है, लेकिन उनका कुछ पता नहीं चला। दरअसल, जांच एजेंसी के समन के बावजूद देशमुख लगातार पेश होने से बचते रहे हैं। इसके बाद जांच एजेंसी की ओर से यह कदम उठाया गया है। सोमवार सुबह सीबीआई की टीम ने मुंबई स्थित देशमुख के घर के अलावा उनके नागपुर आवास पर भी छापा मारा एवं पूरे घर तथा कार्यालय की तलाशी ली। देशमुख के घर पर छापेमारी खबर सुनते ही काफी संख्या में उनके घर के बाहर राकांपा के कार्यकर्ता इकट्ठा हो गए और केंद्र सरकार तथा सीबीआई के विरुद्ध नारेबाजी करने लगे। लेकिन सीबीआई का तलाशी अभियान काफी देर तक चलता रहा। बता दें कि सीबीआई मुंबई उच्चन्यायालय के निर्देश पर अनिल देशमुख की जांच कर रही है। यह जांच मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह द्वारा उनपर पुलिस अधिकारियों की मदद से हर महीने 100 करोड़ रुपए की वसूली का करवाने का आरोप लगने के बाद उच्चन्यायालय ने शुरू करवाई है सीबीआई के अलावा प्रवर्तन निदेशालय भी देशमुख की जांच कर रहा है। लेकिन प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कई बार पूछताछ का सम्मन दिए जाने के बावजूद अब तक देशमुख उसके सामने हाजिर नहीं हुए हैं। महाराष्ट्र में वसूली रैकेट के इस मामले ने काफी राजनीतिक रूप से तूल पकड़ा था। खुद एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार भी देशमुख के बचाव में उतरे थे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के सीबीआई जांच के आदेश के बाद अनिल देशमुख को त्यागपत्र देना पड़ा था।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net